वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 172 | गुरुवार 19 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फोरम के 10वें वार्षिक सम्मेलन इवेंटस्थान का समापन

अरशद हुसैन बोले- राजस्थान में 50 हजार वेडिंग के चलते इलेक्शन कमिशन ने चुनाव की डेट आगे बढ़ाई

जयपुर. कासं। फोरम के पूर्व अध्यक्ष और इवेंट गुरु अरशद हसन ने कहा कि आजकल जब हम एकल परिवारों में रहने लगे हैं, ऐसे में शादियां हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गई हैं। यह एक मिलने और मौज-मस्ती करने का उत्सव बन गया है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस साल राजस्थान के विधानसभा चुनाव 23 नवंबर को होने थे, जिस दिन देव उठनी एकादशी है। यह तारीख अब बदलकर 25 नवंबर कर दी गई, क्योंकि इस दिन लगभग 50 हजार शादियां होनी तय थीं। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते है कि हमारे देश में वेडिंग इंडस्ट्री कितनी महत्वपूर्ण है, जो कि एक गवर्नमेंट के डिशन्स को पलट सके। अरशद हसन फोरम के 10वें वार्षिक सम्मेलन इवेंटस्थान में एक सेशन मेड इन हैवन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जब सरकार भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में इतने बड़े आयोजन की तारीखें बदलने के लिए मजबूर होती है तो आप समझ सकते है कि वेडिंग हमारे देश में कितनी महत्वपूर्ण है। पूरे भारत में विवाह उद्योग की तुलना करें तो राजस्थान वेडिंग एक लाख करोड की इंडस्ट्री है। जिसका भारतीय जीडीपी में काफी बड़ा योगदान है। न केवल भारतीय लोगों में बल्कि एनआरआई में भी इसकी भारी मांग है। फोरम के अध्यक्ष महावीर शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि इवेंट उद्योग के भविष्य में अपार संभावनाएं हैं और साथ ही संपूर्ण इंडस्ट्री में हर कोई आशावादी है कि राजस्थान और राजधानी जयपुर जल्द ही भारत का लास वेगास बन जाएगा। गौरतलब है कि इवेंटस्थान का आयोजन जयपुर के मुहाना मंडी रोड स्थित, हयात रीजेंसी में किया गया था। कार्यक्रम का विधिवत उद्घघाटन मंगलवार को फोरम के अध्यक्ष महावीर शर्मा, समित गर्ग, पूर्व अध्यक्ष फोरम हरप्रीत बग्गा एवं इवेंट गुरु अरशद हुसैन की ओर से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। आयोजित सत्रों के दौरान जो बात उभर कर सामने आई, उनमें अहम थी कि इस उद्योग का भविष्य काफी उज्ज्वल है और इसका अभी और विस्तार होना बाकी है। महासचिव हितेंद्र शर्मा ने स्वागत भाषण दिया व समित गर्ग कार्यक्रम के की नोट स्पीकर रहे।

राजस्थान हाई कोर्ट में ट्रांसफर होकर आएंगे 3 जज

पंजाब एंड हरियाणा और तेलंगाना हाई कोर्ट से ट्रांसफर होकर आएंगे तीन जज, अब होंगे 35 जज

जयपुर. कासं। राजस्थान हाई कोर्ट को 3 नए जज मिल गए हैं। पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट से दो और तेलंगाना हाई कोर्ट एक न्यायाधीश का राजस्थान हाई कोर्ट ट्रांसफर किया गया हैं। पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट से जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस अरुण मोगा का राजस्थान हाई कोर्ट ट्रांसफर किया गया हैं। वहीं तेलंगाना हाई कोर्ट से जस्टिस एम लक्ष्मण का ट्रांसफर राजस्थान हाई कोर्ट हुआ हैं। तीनों जजों के राजस्थान हाई कोर्ट में कार्यभार संभालने के बाद राजस्थान हाई कोर्ट में 35 जज हो जाएंगे।

पंजाब एंड हरियाणा से दो जजों का ट्रांसफर

जस्टिस अवनीश झिंगन और अरूण मोगा का ट्रांसफर पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट से राजस्थान हाई कोर्ट किया गया हैं। जस्टिस अवनीश झिंगन ने पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ किया हैं। 1992 में वे वकालत में एनरॉल हुए। वे सिविल और टैक्स मैटर्स के एक्सपर्ट हैं। 10 जुलाई 2017 को पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में जज नियुक्त हुए। वहीं जस्टिस अरूण मोगा ने भी पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ किया हैं। इन्होंने 1991 में वकालत शुरू की। इनके पिता भी न्यायिक अधिकारी रहे हैं। करीब 20 साल की वकालत के बाद अक्टूबर 2018 को पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए।

एम लक्ष्मण न्यायिक अधिकारी से बने हाई कोर्ट जज

जस्टिस एम लक्ष्मण का तेलंगाना हाई कोर्ट से राजस्थान हाई कोर्ट ट्रांसफर किया गया हैं। जस्टिस एम लक्ष्मण ने ओसमानिया यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली। उन्होंने 1991 से वकालत शुरू की। इसी दौरान वे 2008 में डीजे कैडर में सलेक्ट होकर न्यायिक अधिकारी बने। वे कई जिलों में जिला जज रहे। 15 अक्टूबर 2021 को तेलंगाना हाई कोर्ट में न्यायाधीश बने।

अब भी 15 जजों की कमी

राजस्थान हाई कोर्ट में 50 न्यायाधीशों के पद स्वीकृत हैं। अभी हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश एजी मसीह सहित 32 न्यायाधीश कार्यरत हैं। ट्रांसफर होकर आ रहे तीन जजों की शपथ के बाद इनकी संख्या 35 हो जाएगी। लेकिन उसके बाद भी हाई कोर्ट में 15 न्यायाधीशों के पद खाली रहेंगे।

भारतीय संस्कृति थीम पर कल्चरल प्रोग्राम

मां दुर्गा के नौ रूपों पर प्रस्तुति रही आकर्षण का केंद्र

जयपुर. कासं। राजधानी जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में किड्स प्राइड स्कूल की ओर से सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसकी मुख्य थीम भारतीय संस्कृति थी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मां दुर्गा के नौ रूप, शिव तांडव, रामायण की झलकियां, कृष्ण लीला, भारतीय स्वततंत्रता संग्राम, कालबेलिया नृत्य और महिला सशक्तिकरण पर प्रस्तुतियां रही। स्कूल डायरेक्टर ऊषा लोढ़ा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों के चहुंमुखी विकास में मदद मिलती है। पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ बच्चों में नैतिक एवं माननीय मूल्यों का समावेश करना ही किड्स प्राइड स्कूल का प्रमुख ध्येय है। सेक्रेटरी कमल लोढ़ा ने कहा कि नर्सरी से लेकर 5इँ क्लास तक के नन्हें मुन्ने 400 बच्चों ने पार्टिसिपेट किया। प्रोग्राम की मुख्य थीम भारतीय संस्कृति थी। टीचर्स और बच्चों की मेहनत रंग लाई, जिससे पैरेंट्स भी काफी खुश दिखे।

भव्य शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ दो दिवसीय अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला सम्मेलन

आगरा. शाबाश इंडिया

हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य एवं श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला सम्मेलन का समापन भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। जिसमें महिला सम्मेलन के अंतिम दिन 18 अक्टूबर को निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में पूरे देशभर के विभिन्न राज्यो से पधारीं लगभग 5000 महिला प्रतिनिधिमंडलो एवं आगरा सकल जैन समाज की विभिन्न मन्डलों की महिलाओं ने प्रातः7:00 बजे से बैंड बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कचौड़ा बाजार बेलनगंज से शुरू होकर धूलियागंज चौराहा,घटिया होते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर हरीपर्वत पहुंची। शोभायात्रा में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश,ललितपुर, झांसी,गुना,सिहोर,नगर संभाग की महिलाएं मंडल मंगल कलश सजाये एवं बैनर लेकर चल रही थी। महिला शक्ति के तेज के साथ आगरा नगर में बिखरती नजर आई है। महिला अधिवेशन में सहभागिता करने आईं हजारों महिलाओं ने जब एक साथ नगर में शोभायात्रा निकाली तो इस नजारे ने जैन ही नहीं बल्कि समूचे देश की नजरों को खुद से बांध लिया। अद्भुत संगठन और ओज के साथ ये महिला शक्ति नगर में जैनम जयतु शासनम के उद्घोष के साथ जैन धर्म की आभा को प्रस्फुटित कर रही थीं, चारों ओर महिला शक्ति के इस अद्भुत आगाज ने सभी को हतप्रभ कर दिया। शोभायात्रा के अंतर्गत तीर्थ संरक्षण स्वदेशी भाव की जागृति सहित आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के विभिन्न संदेशों को विभिन्न आकर्षक झाकियों के साथ सजाया गया। इसी बीच प्रातः9.00 से समस्त नगर अंचल की महिला मंडलों ने बहुत सुंदर भक्ति

गीत पर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी और बाहर से पधारे गुरुभक्तों ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। इसके उपरांत भक्तों ने गुरूदेव का पाद-प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर मगलं आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए भक्तों से कहा कि जैन धर्म की महानता एवं जैन मुनियों के वैभवशाली इतिहास के साथ जैन संस्कृति की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि यदि आपको जैन कुल में जन्म मिला है तो निश्चित ही आप पुण्यवान हो। इसके बाद श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोंडिया के कुशल निर्देशन में दूसरा सत्र में दोपहर 2:00 बजे से आगरा समेत और सात नगर अंचल द्वारा जैन धर्म पर कुरीतीयो पर पांच- पांच मीनिट की लघू नाटिकाऐं की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी । कार्यक्रम का शुभारंभ छीपीटोला बालिका मंडल ने मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ किया। इस दौरान अखिल भारतीय दिगंबर जैन समाज महिला सम्मेलन की पदाधिकारियों ने छह विभूतियों को जिसमें सुशीला जैन पाटनी किशनगढ़, डिंपल जी गधिया, ममता सोगानी, मंजू अजमेर, डिंपल गोदिया गुजरात, डिंपल गोदिया नसीराबाद, डॉक्टर इंदु जैन दिल्ली को नारी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके उपरांत शोभायात्रा में सात राज्यों से आई महिलाएं मंगल कलश सजाकर लाई दस संभाग की महिला मंडलों को श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री इंदू गांधी मंजू अजमेर द्वारा प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी बाकलीवाल एव इंदू गांधी राष्ट्रीय महामंत्री अशोकनगर शीला डोंडिया द्वारा किया गया । इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएसी,नीरज जैन,निर्मल मोठया,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा,विवेक बैनाड़ा, अमित जैन बॉबी, राजेश सेठी, जगदीश प्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल रुपेश जैन चांदीवाले, नरेंद्र फर्नीचर, के.के जैन,अनिल जैन शास्त्री, दिलीप जैन,पंकज जैन,राहुल जैन, नरेश जैन,दीपक जैन,राजेश जैन,अंकेश जैन, सचिन जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, यतीन्द्र जैन,शैलेंद्र जैन, समकित जैन, राहुल जैन,ममता जैन,उषा मार्शल्स, बीना बैनाड़ा, शशि पाटनी उषा मोठया, उमा मोठया, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

समवशरण महामंडल विधान में पाठशाला कलशों की स्थापना की गई

राम लक्ष्मण जी ने मुनि राज की राक्षसों से की रक्षा हुई नाट्य प्रस्तुति। बच्चों की पहली पाठशाला संस्कार जननीं मां होती है: आचार्यश्री

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में तीसरे दिन श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला के कलशो की स्थापना आचार्यश्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया एवं मुकेश भइया के मंत्रोच्चार के बीच की गई। इसके पहले मंगलाष्टक के साथ विश्व शांति महायज्ञ का प्रारंभ हुआ जहां भगवान के अभिषेक के साथ ही जगतकल्याण की कामना के लिए महाशान्तिधारा प्रमुख पात्रों के साथ भक्तों द्वारा की गई।

पूर्व के कलशो को समिति ने किया भेंट

इस दौरान मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि पूर्व में भी प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के मार्गदर्शन में पाठशाला के कलशो की स्थापना मुनि राजो के सान्निध्य की गई थी तीन वर्ष बाद भी भइयाजी आज कलशो की स्थापना आचार्यश्री आर्जवसागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में करा रहे हैं । आज हम पूर्व में स्थापित कलश राजेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, टिंगूमिल अध्यक्ष थूवोनजी कमेटी, राजीव कुमार, मौसम कुमार चन्देरी, सुमत कुमार अखाई अध्यक्ष पाठशाला कमेटी, संजीव कुमार, मनोज कुमार, महावीर स्वीट्स को कलश भेंट कर रहे हैं।

नवीन कलशो की स्थापना की गई

इस दौरान प्रदीप भइया ने कहा कि एक टिकिट में दो दो मजा आपको वोनस में मिल रहें हैं। नवीन कलशो की स्थापना करने का सौभाग्य प्रथम कलश सौभाग्य चक्रवर्ती परिवार से आनंद कुमार, धर्मेन्द्र कुमार रोकड़िया, द्वितीय कलश तामिल नाडु के श्रावक श्रेष्ठी वीडीयोअरहदास, तृतीय कलश विद्या सागर पाठशाला कमेटी के अध्यक्ष सुमत कुमार सुनील कुमार अखाई ने प्राप्त किया। इनका सम्मान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासल, महामंत्री राकेश अमरोद, थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टिंगूमिल, पाठशाला के कोषाध्यक्ष प्रसन्न मोदी सहित अन्य पदाधिकारी द्वारा किया गया।

नाटक की भव्य प्रस्तुति में राक्षसों को राम लक्ष्मणजी ने किया दूर

समवशरण महा मंडल विधान के दौरान उमर गांव महाराष्ट्र के कलाकारों द्वारा भव्य नाटक की प्रस्तुति की गई । इस दौरान कुलभूषण देशभूषण के वैराग्य को मंचित किया गया इसमें दो राजकुमार आश्रम में शिक्षा ग्रहण कर राज महलों की ओर लौटते समय अपने महल के झरोखे से देख रही राजकुमारी को देख कर मोहित हो जाते हैं और आपस में झगड़ने लगते हैं एवं उन्होंने मंत्री बताते है कि ये महल आपका ही है और जो कन्या आप देख रहे हैं ये आपकी बहन है ये सुनकर गिलानी से भर वैराग्य को प्राप्त कर बहुत समझाने के बाद भी ब न की ओर चल देते हैं जहां उन पर तपस्या के दौरान राक्षसों का उपसर्ग देख वनवास के दौरान श्री राम लक्ष्मण जी अपने धनुष की टंकार से राक्षसों को भगा कर उपसर्ग दूर करते हैं । इस नाटक से आपसी संबंधों की समझ को बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया है और संस्कृति और संस्कार की शिक्षा दी गई।

डरावने दृश्य देखने से गर्भवति माताओं को बचना चाहिए

इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि संस्कारो की जननी मां है मां के गर्भ में रहते ही बच्चों को संस्कार मिलने लगते हैं माता गर्भावस्था में यदि डरावने दृश्य देखकर डरती है तो इसका गर्भ में पल रहे बच्चे पर विपरीत असर पड़ता है इसलिए लिए गर्भावस्था के दौरान माताओं को सावधानी रखनी चाहिए मां बनना कोई मजाक नहीं है। गर्भावस्था के दौरान मां की आंख लग गई और कीमत अभिमन्यु को अपने प्राण देकर चुकानी पड़ी बात यहां संस्कारो की हो रही थी और आपकी आपकी पाठशाला में वहने निशुल्क सेवा देते हुए बच्चों को धर्म के संस्कार दे रही है बहुत अच्छा कार्य है। आपको भी सभी को इनका उत्साह वर्धन करना चाहिए ।

वेद ज्ञान

इंसान को इंसान समझना ही पुण्य

इंसान को इंसान समझना और उसके साथ इंसानियत का व्यवहार करना ही धर्म का वास्तविक पालन है और यही पुण्य कहलाता है। पुण्य की यह चेतना और संवेदना संतुलन का आधार है, विकास का मंत्र है, प्रकृति का कण-कण इस सूत्र से गुंथा हुआ है। यदि पेड़, पौधे, वृक्ष, लताएं धूप, हवा, पानी और खाद लेते हैं तो फूल, फल, अनाज और खुशबू भी देते हैं। नदी, नाले पहाड़ों से, बादलों से पानी लेते हैं तो धरती को सींचते भी हैं। प्रकृति में संतुलन की आवश्यकता है तो फिर व्यक्ति में और समाज में क्यों नहीं? पर अफसोस! हम इस बात को भूल गए हैं। इसलिए व्यक्ति और समाज दोनों ही असंतुलित बन गए हैं। मैं, मुझे और मेरा (आई, मी एंड माइन) की सभ्यता ने मनुष्य को स्वार्थी बना दिया है। इसलिए वह जो कुछ अर्जित करता है, उसे अपने ऊपर ही उड़ेल लेना चाहता है। प्रकृति ने दिन में उजाला और रात में अंधेरा फैलाया है, पर हमारे जीवन में तो रात और दिन आसक्ति का, मूर्छा का, ममत्व का अंधेरा ही अंधेरा छाया है। सोते, जागते, उठते-बैठते पैसा ही पैसा पसरा हुआ नजर आता है। समृद्धि ही समृद्धि, सत्ता ही सत्ता, अधिकार ही अधिकार चाहिए। जीवन के टेपरिकॉर्डर पर एक ही धुन बजती रहती है-पैसे, पैसे, पैसे, मिले चाहे जैसे। यानी पैसा ही जीवन की सुर, ताल और राग बन गया है, पुण्य की चेतना और संवेदना गायब है। जीवन को सम्मानपूर्वक जीने के लिए, जीवन को शांतिपूर्वक जीने के लिए पैसे की आवश्यकता और पैसे की उपयोगिता को नकारा कैसे जा सकता है? आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा है कि अर्थ समर्थ भी है, अर्थ असमर्थ भी है। पैसे का अभाव और पैसे का प्रभाव दोनों ही हिंसा फैलाते हैं। दोनों केसंतुलन से ही स्वस्थ व अहिंसक समाज का निर्माण संभव हो सकता है। अर्जन के साथ विसर्जन संतुलित जीवन जीने की कला है। सिक्के के दो पहलुओं की तरह पुण्य की चेतना और संवेदना के भी दो महत्वपूर्ण पहलू हैं-आध्यात्मिक पहलू और सामाजिक पहलू। दोनों का अपना-अपना स्थान है। अपना-अपना मूल्य है। पदार्थ से जो हमारा मोह छूटता है, वह शुद्ध आध्यात्मिक लाभ यानी पुण्य की प्राप्ति है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।

संपादकीय

कुपोषण की समस्या बहस के केंद्र में रही है...

देश में लंबे समय से कुपोषण की समस्या बहस के केंद्र में रही है और सरकारें समय-समय पर इसे दूर करने के लिए कदम भी उठाती रही हैं। इस समस्या को दूर करने के मकसद से कमजोर तबकों के लोगों के लिए सस्ती दर पर या फिर मुफ्त अनाज मुहैया कराया जाता रहा है। इसी क्रम में जरूरतमंद आबादी को अतिरिक्त पोषक तत्त्वों से युक्त यानी फोर्टिफाइड चावल देने की योजना भी है। जाहिर है, सरकार का उद्देश्य विकास की राह में कुपोषण की बाधा को दूर करना और आम लोगों की सेहत में सुधार करना है। मगर इस चावल को लेकर कुछ चिंताएं उभरी हैं और कुछ स्थितियों में इससे नुकसान होने की आशंका जाहिर की गई है। इसी मसले पर दायर एक याचिका की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार को खाद्य सुरक्षा और मानक खाद्य पदार्थों का सुदृढ़ीकरण कानून के तहत उठाए गए सभी कदमों के बारे में अवगत कराने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, अदालत ने कहा

कि अतिरिक्त पोषणयुक्त चावल की थैलियों पर अंकित की गई जानकारियों में यह सलाह भी दी जानी चाहिए कि यह ''सिकल सेल रक्ताल्पता'' और थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए हानिकारक है। गौरतलब है कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े कानून के तहत सूक्ष्म पोषण वाले लौह-तत्त्व से भरपूर भोजन की हर थैली पर यह स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए कि थैलेसीमिया रोग से पीड़ित लोगों को चिकित्सीय देखरेख में रखा जा सकता है और सिकल सेल रक्ताल्पता का सामना कर रहे लोगों को लौह तत्त्व से युक्त फोर्टिफाइड खाद्य उत्पादों का सेवन न करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, चावल, दूध और नमक जैसे रोजमर्रा के उपयोग वाले प्रमुख खाद्य पदार्थों के पोषण स्तर में सुधार करने के मकसद से इनमें रासायनिक या सिंथेटक विटामिनों, यानी लौह तत्त्व, आयोडीन, जिंक, विटामिन ए और विटामिन डी जैसे प्रमुख पोषक तत्त्वों और खनिजों को मिलाया जाता है। कुपोषण की व्यापक समस्या का सामना करने के मामले में इससे काफी मदद मिलने की संभावना जताई गई है। लेकिन याचिका में वैज्ञानिक सबूतों का हवाला देते हुए इस बात पर चिंता जाहिर की गई है कि कुछ चिकित्सीय स्थितियों से पीड़ित लोगों के लिए आयरन- फोर्टिफाइड चावल विपरीत असर करता है। इसलिए इस बारे में आम लोगों को स्पष्ट रूप से जानकारी दी जानी चाहिए और इस संबंध में कानूनी व्यवस्था भी यही है। इसमें दो राय नहीं कि अतिरिक्त पोषण से युक्त चावल आम लोगों को देने के पीछे सरकार का मकसद एक बड़े तबके के बीच पसरी कुपोषण की समस्या को दूर करना रहा है। इस गंभीर समस्या को दूर करने के लिए अलग-अलग स्तर पर उठाए गए कदमों में से यह भी एक है। लेकिन अगर इस तरह के चावल को लेकर विशेषज्ञों की ओर से कोई आशंका जताई गई है तो उस पर भी विचार किया जाना चाहिए। आखिर किसी अनाज में अतिरिक्त पोषक तत्त्व शामिल करने के पीछे सरकार का उद्देश्य भी आम लोगों के बीच व्यापक कुपोषण की समस्या को दूर करना और सेहत को बेहतर करना ही है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

ओलम्पिक में क्रिकेट

आखिरकार क्रिकेट को भी ओलंपिक खेलों में शामिल कर लिया गया है। इसकी घोषणा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मतदान के बाद की। दो को छोड़ कर सभी देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इस फैसले स्वाभाविक ही क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। क्रिकेट का खेल जिस तरह दुनिया भर में लोकप्रिय हो चुका है, उसमें इसके ओलंपिक में शामिल न रहने को लेकर लंबे समय से निराशा जताई जा रही थी। हालांकि क्रिकेट से संबंधित कई विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाती हैं। विश्वकप का आयोजन भी होता है। इसके बावजूद चूंकि ओलंपिक की अपनी गरिमा है, इसलिए खेल प्रेमी और खुद क्रिकेट खेलने वाले भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में इसे शामिल करने के पक्षधर थे। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में शुमार किया गया। सन 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था, जिसमें इंगलैंड ने फ्रांस को हराया था। अब 2028 में लास एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में फिर से क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा हो सकेगी। अभी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति इसका स्वरूप तय करेगी, पर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें केवल छह महिला और छह पुरुष टीमें हिस्सा लेंगी। दरअसल, ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट को शामिल न करने को लेकर सबसे बड़ी अड़चन इसे खेले जाने की अवधि के मद्देनजर रही है। ओलंपिक में खेले जाने वाले सभी खेल छोटी अवधि के होते हैं, मगर क्रिकेट में पूरा दिन लग जाता है। अगर कभी मौसम खराब हो गया तो खेल को टालना भी पड़ता है। फिर ओलंपिक खेलों का मकसद पुराने, स्थानीय और पारंपरिक खेलों को संरक्षण प्रदान करना, उनमें नए खिलाड़ियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना रहा है, इसलिए व्यावसायिक लोकप्रिय खेलों को उसमें शामिल करने से परहेज किया जाता रहा है। इसलिए भी क्रिकेट को इसमें शामिल करने को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई। मगर ओलंपिक के छोटे स्वरूप वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में क्रिकेट को शामिल कर लिया गया, तो स्वाभाविक रूप से ओलंपिक समिति पर इसके लिए दबाव बना। फिर जब ओलंपिक संघ ने इंटरनेट माध्यमों पर खेले जाने वाले बिल्कुल नए तरह के खेलों की प्रतिस्पर्धा को भी मान्यता दे दी है, तो क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल को इससे बाहर रखने का औचित्य नहीं रह गया था। क्रिकेट के साथ चार अन्य नए खेलों को भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धाओं में शामिल होने की मान्यता दी गई है। क्रिकेट और फुटबाल दो ऐसे खेल हैं, जिनके प्रति दुनिया भर में दीवानगी देखी जाती है। फुटबाल पहले से ओलंपिक में शामिल है। इस तर्क से भी क्रिकेट को इसमें शामिल करने की मांग जायज थी। ये दोनों खेल अब केवल मनोरंजन का साधन और खिलाड़ियों के कौशल की परख के माध्यम नहीं, बल्कि कमाई का बड़ा साधन भी बनते गए हैं। जितने प्रायोजक इन खेलों को मिलते हैं, उतने किसी खेल को नहीं मिलते। इस तरह इनकी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करने वाली समितियां धनी खेल समितियों में शुमार हैं। ओलंपिक में शामिल होने से वहां भी इनके प्रायोजकों की संख्या बढ़ेगी। मगर अब भी यह प्रश्न अपनी जगह बना हुआ है कि क्रिकेट मैच को किस तरह व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे ओलंपिक का अधिक समय खर्च न हो। मगर अब जिस तरह क्रिकेट में बीस ओवर की प्रतिस्पर्धा भी लोकप्रिय होती गई है, इसके समय को व्यवस्थित करना कठिन नहीं होगा। फिलहाल क्रिकेट का ओलंपिक में शामिल होना इसका बड़ा सम्मान है।

श्री दिगम्बर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा का वार्षिक मेला भक्तिभाव से हुआ संपन्न

कई धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी निकटवर्ती ग्राम रैवासा स्थित श्री दिगम्बर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र में वार्षिक मेले का आयोजन रविवार को किया गया । श्री दिगंबर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा प्रबंध समिति के उत्तम चंद पांड्या व ज्ञान चंद झांझरी ने बताया कि रैवासा में शेखावाटी जनपद का अति प्राचीन 861 वर्ष पुराना अदभुत एवं अतिशय युक्त जिन मंदिर है। किवदंती है कि यमस्थ मूलवेदी देवताओं द्वारा आकाश मार्ग से लाई हुई है। इस मंदिर जी के खंभे (स्तम्भ) आज तक कोई भी सही नहीं गिन सका है एवं यहां भूगर्भ से प्राप्त भगवान 1008 श्री सुमतिनाथ भगवान की अतिशयकारी प्रतिमा दर्शनीय है। मूलनायक भगवान श्री आदिनाथ जी की मूर्ति विशेष आकर्षक एवं अतिशययुक्त है ।नसियां जी में श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान एवं 1008 सहस्त्रफणी श्री पार्श्वनाथ भगवान की 7 फीट पद्मासन प्रतिमा का एवं मानस्तम्भ व चौबीसी दर्शन है। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि वार्षिक मेले में प्रातः सीकर के दीवान जी की नसियां से पदयात्रा प्रारंभ हुई , जिसमे समाज के युवा सम्मिलित हुए।पद यात्रा का पुण्यार्जन घीसालाल जयकुमार छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। वार्षिक मेले में प्रातः मंदिर प्रांगण में वृहद शांतिधारा हुई व पदयात्रियों का स्वागत किया गया। नसियां जी प्रांगण में प्रातः 11 बजे सुमतिनाथ मंडल विधान हुआ । विधान का पुण्यार्जन विमल कुमार मोहित कुमार झांझरी रेटा वाले परिवार को प्राप्त हुआ। विधान के पश्चात झंडारोहण, दीपप्रज्वलन, चित्र अनावरण हुआ ।झंडारोहण का सौभाग्य महावीर प्रसाद मनोज कुमार ठोलिया परिवार को प्राप्त हुआ। दीपप्रज्वलन , प्रथम शांतिधारा व वात्सल्य भोजन का पुण्यार्जन मुक्तिलाल निर्मल कुमार विजय कुमार अजय कुमार पहाड़िया बधाल वाले परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान किया गया। प्रवचन, कलशाभिषेक व महाआरती पश्चात सांय भव्य रथयात्रा निकाली गई जिसमे सीकर जयपुर सहित दांता, फतेहपुर, राणोली धोद, कोछोर, सुरेरा, कुली, खाचरियावास, बाय, रेनवाल, मुंडवाड़ा, कुचामन, मारोठ, दूजोद, दुधवा आदि स्थानों से समाज के लोग उपस्थित रहें ।

सीकर जैन समाज के सदस्यों की 18 दिवसीय तीर्थ यात्रा संपन्न

सीकर. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज सीकर की एक प्रमुख तीर्थ यात्रा समस्त स्थानों के दर्शन करते हुए बुधवार को सांयकाल आगरा पहुंची ।सीकर समाज के 40 सदस्यों की ये यात्रा 1 अक्टूबर को सीकर से रवाना हुई ।इस यात्रा में यात्रियों ने बुंदेलखंड , महाराष्ट्र , गोवा खंडाला , महाबलेश्वर के साथ राजस्थान, उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के प्रमुख जैन तीर्थों के दर्शन प्राप्त किए। यात्रा प्रमुख हुकुमचंद जैन व मुकेश जैन ने बताया इस यात्रा में नारेली, अड़िन्दा पार्श्वनाथ, उदयपुर होते हुए केसरिया जी, लोहारिया, बांसवाड़ा , सांगवाड़ा, डूंगरपुर, नागफणी पार्श्वनाथ, अहमदाबाद, अंकलेश्वर, महुआ, जिनशरणम्, मुम्बई, लोनावला, महाबलेश्वर, पूना, खण्डाला, सतारा , नांदगिरी, कुंथल, कोल्हापुर, गोवा, कुंथगिरी, कुंकुमोज बाहुबली, साजणी, इचलकरणजी, धर्मनगर, नांदाणी, बोरगांव, उदगांव, नातेपोते, दहीगांव, सावरगांव, तैर, कुंथलगिरी , पैठन, कचनेर, जिंतुर, अ. पार्श्वनाथ, कारंजा, मातकुली, मुक्तागिरी होते हुए डोंगरगढ़ आदि स्थानों के जैन तीर्थों व मंदिरों के दर्शन किए । डोंगरगढ़ में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के दर्शन किए। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि इससे आगे यह यात्रा शिवनी, लखमोदाण, जबलपुर , पनागार, बहोरीबंद, नौहट्टा, दमोह, कुण्डलपुर , गढ़ाकोटा, पथरिया, नैनागिरी, द्रोणगिरी , बड़ागांव, पपोरा जी, बंधा जी, करगुआ, सोनागिरी जी , ग्वालियर होते हुए बुधवार को सांयकाल सभी तीर्थ यात्री आगरा मुनिश्री सुधासागर जी गुरुदेव के दर्शनार्थ पहुंचे, जहां से सभी तीर्थ यात्री रात्रि सीकर हेतु रवाना हुए ।

भागवत कथा में धूमधाम के साथ मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। समीप के गांव किरवाड़ा स्थित प्राचीन हनुमान जी मंदिर पर चल रही विशाल भागवत कथा के चौथे दिन वृंदावन धाम के आचार्य अनंत शरणजी महाराज ने अपने मुखारविंद से भागवत कथा मे भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव का विस्तार से वृतांत सुनाया व जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया। आचार्य श्री ने कहा की कथा श्रवण से मन व आत्मा को शांति मिलने के साथ ही भगवान की प्राप्ति होती है। व भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहां की नियमित रूप से कथा का श्रवण करने से सभी पापों का नाश होता है वह कलयुग में राधे राधे नाम का जाप ही मोक्ष तक पहुंचने का सबसे बड़ा साधन है। बीच-बीच में कथावाचक द्वारा गाए गए भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया। आयोजन समिति के गोविंद मित्तल परिवार ने बताया कि कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण जी वह नंद बाबा की सजीव झांकी सजाई गई। कथा के बीच में श्री महावीर जी के श्री लाडली जी संगम के कार्यकर्ता राकेश स्वामी बंटू गोयल अंकुर बेनीवाल तरुण कुमार प्रवीण सैनी पवन सैनी संजय शर्मा विशाल स्वामी जयराम स्वामी मदन मोहन गोयल सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

विश्व शांति सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया। विश्व शांति सिद्धचक्र महामंडल विधान मे सैकड़ो श्रद्धालु भक्तों ने बड़ा ही भक्ति भाव से पूजा विधान किया। प्रातः आदिनाथ भगवान की प्रतिमा श्री जी का मंगल विहार अभिषेक एवं शांति धारा का सौभाग्य समाजसेवी संजय गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। विधान में बने सैकड़ो श्रद्धालु पात्रों ने भगवान की प्रतिमा पर अभिषेक कर पुण्य लाभ लिया इसके पश्चात विधान की पूजा बैतूल मध्य प्रदेश से आये ब्रह्मचारी संजय भैया के निर्देशन में प्रारंभ हुआ। विधान में विराजमान 1008 श्री सिद्ध परमेष्टि ओर 1008 श्री आदिनाथ भगवन के चरणों में विशेष अर्घ ओर श्रीफल चढ़ाने का सौभाग्य सौधर्म इन्द्र सुशील-शशि छाबड़ा, सुरेश-नरेन्द्र झाझरी, ललित- नीलम सेठी, सुरेन्द्र-सरिता काला, संजय-बबीता गंगवाल, बिनोद रिषभ पहाड़िया, जय कुमार त्रिशला गंगवाल, चुन्नीलाल प्रदीप कुमार छाबड़ा आदि श्रद्धालु भक्तों ने भगवान की प्रतिमा पर 301 अर्घ चढ़ाया। परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ने अपनी अमृतवाणी मे बताया कि जिनका भाग्य होता है वो ही ब्यक्ति धर्म कर सकता है और यज्ञ विधान का पात्र बन सकता है। आज समाज के सभी पदाधिकारी के द्वारा विधानचार्य संजय भैया स्थानीय पंडित अभिषेक जैन शास्त्री, संगीतकार शानू जैन जयपुर का स्वागत किया गया जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन और राजकुमार अजमेरा ने कहा कि रात्रि में णमोकार चालीसा, भव्य आरति के साथ विधा सागर जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ जन आंदोलन की जानकारी दी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी के शिष्य पूज्य युगल मुनि श्री शिवानंद जी महाराज और युगल मुनि श्री प्रश्मानंद जी महाराज के सानिध्य में धर्म जाग्रति युवा मंडल द्वारा 400वें अभिषेकोत्सव के अवसर पर आयोजित विशाल सभा में विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने गिरनार, शिखर जी गोम्मटगिरी खजुराहो सहित सभी जैन तीर्थों के संरक्षण हेतु 17 दिसंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले देशव्यापी ''तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ आंदोलन'' की जानकारी देकर युगल मुनियों का आशीर्वाद लिया। विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनि श्री शिवानंद जी महाराज ने कहा कि गुजरात राज्य सरकार और प्रशासन को कोर्ट के आदेशों का पालन करें और गिरनार पर्वत पर पुलिस बल नियुक्ति के साथ आधुनिक थाना और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था करते हुए जैन समाज के साथ न्याय करना चाहिए। उपस्थित उत्तम नगर व अन्य स्थानों से आए जैन समाज और युवा मंडल के सदस्यों आकाश जैन ने विश्व जैन संगठन का पूर्ववत सहयोग करने की घोषणा की गई।

अन्तरमहाविद्यालय कबड्डी का भव्य आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। बनीपार्क स्थित एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज में राजस्थान विश्वविद्यालय अन्तरमहाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ राजस्थान कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत, दोणाचार्य अवार्डी पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हीरानन्द कटारिया ने किया। इस मौके पर गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान में कबड्डी का लेवल उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कबड्डी का मेरा नाता बचपन से है मैने इस खेल को जमीन से मेट तक देखा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बाबुलाल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में 40 टीमों के 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रबन्ध कार्यकारिणी के अध्यक्ष बजरंगलाल पारीक, सचिव लक्ष्मीकांत पारीक, सदस्य रीतेश सी पुरोहित, एन.के. पारीक, भगवती प्रसाद पारीक, गौरव पारीक एवं प्राचार्य प्रो. एनएम. शर्मा ने आगन्तुक अथितियों का स्वागत किया। उद्घघाटन मुकाबले में पारीक कॉलेज ने मेहता कॉलेज को 41-09 से हराया।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मां भगवती की हो रही आराधना,

दुर्गा पूजा महोत्सव का हो रहा भव्य आयोजन

लक्ष्मणगढ़ , सीकर. शाबाश इंडिया

शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ से ही संपूर्ण कस्बा भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है। वही कस्बें में अलग-अलग स्थानों पर दुर्गा पूजा महोत्सवों का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी बीच कस्बें के सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद चेजारा के निवास स्थान पर मां भगवती की पूर्ण श्रद्धा के साथ विशेष पूजा अर्चना एवं आराधना की जा रही है। यह जानकारी देते हुए बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के कोषाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनमोल सुरेका ने बताया कि कस्बे के वार्ड न.25 में केशरी नंदन बालाजी के पीछे स्थित ताराचंद चेजारा के निवास स्थान पर दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसमे मां भगवती की विधिवत पूजा अर्चना की जाती है एवं मां भगवती का विशेष श्रृंगार किया जाता है। प्रातः कालीन एवं रात्रि कालीन मां भगवती की महाआरती की जाती हैं। महाआरती के पश्चात मां भगवती के दरबार में भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। इस पुनीत कार्य में यजमान ताराचंद-संगीता चेजारा, पवन निर्मल, अंकित खाटूवाला, पिंटू सूरेका, अमित पारीक, चिटू चेजारा, लालू चेजारा, नवीन चेजारा, पिंकी चेजारा, तेजस्वी चेजारा, संगीता चेजारा, नेहा चेजारा मोहिनी चेजारा, विकाश भंडारी ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

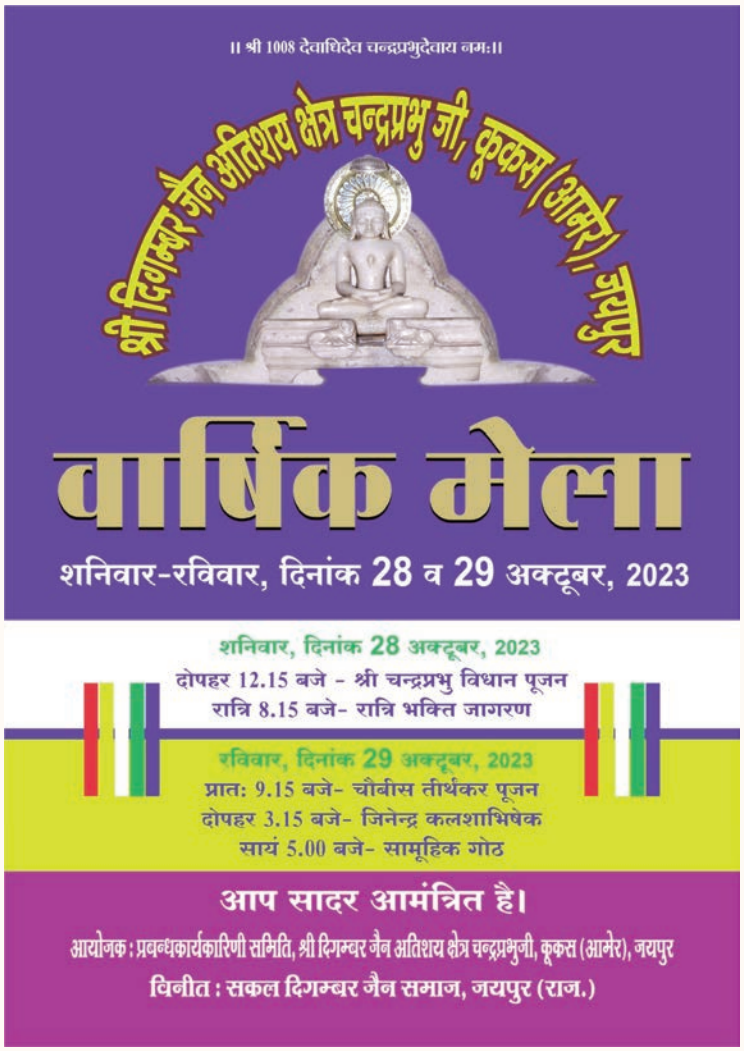

नव दिवसीय विधान एवं जिनेन्द्र अर्चना महोत्सव आयोजित

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

नगर के 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्वर जैन मंदिर पारस विहार कॉलोनी टीकमगढ़ मे परम पूज्य तपस्वी रत्न वात्सल्यमूर्ति श्रमणोपाध्याय श्री विकसंत सागर जी महाराज के ससंघ मंगल पावन सानिध्य में नव दिवसीय विधान का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातःकालीन,नित्य नियम सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा पूज्य गुरुदेव के मुखारविंद द्वारा कि जा रही है। तत्पश्चात श्री 1008 वासुपूज्य महामंडल विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव से किया गया। मुनिश्री ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुये धर्म का महत्व बतलाते हुये कहा धर्म मंदिर में नहीं,शास्त्रों में नहीं,पीछी कमंडल में नहीं,किसी मठ में नहीं,केश लोंच में नहीं,गुरुद्वारा में नहीं होता बल्कि धर्म तो आत्मा में होता है आत्मा के परिणामों को निर्मल बनाकर रखो। धन के अभाव में धर्म नहीं होता ऐसा अज्ञानी जीव कहता है परंतु ज्ञानी जीव ऐसा कदाचित नहीं सोचता है क्योंकि धन से धर्म नहीं होता धन से धार्मिक क्रियाएं तो हो सकती हैं परंतु धर्म तो निर्मल भावों से होता है। इसलिए इस गलत अवधारणा को नष्ट करो और धन का विकल्प न करके धर्म करो धन हो या ना हो भाव निर्मल रखो तो धर्म हो जायेगा। धर्म करते समय सांसारिक सुखों की कामना किंचित भी मत करना कथंचित मुक्ति की

आकांक्षा कर लेना परंतु ये भी ध्यान रखना आकांक्षा से मुक्ति नहीं बल्कि धर्म करने से मुक्ति मिलती है। धन विनाशीक है धर्म शाश्वत ह,धन से दुःख मिल सकता है परंतु धर्म से कभी भी दुःख नहीं मिलता है। हे ज्ञानी धन से चिंताएं बढ़ती हैं धर्म से चिंताएं घटती हैं,धन से भोजन मिल सकता है परंतु धर्म से भूख मिटती है धर्म नहीं किया तो पुण्य के अभाव में भोजन नहीं कर पाते हैं। अंत में मुनि श्री ने कहा हे भोले ज्ञानी मनुष्य पर्याय धर्म करने के लिए प्राप्त हुई है इसे भोगों में मत गवा देना।

ज्ञानतीर्थ पर वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव रविवार 22 अक्टूबर को-देशभर से उमड़ेंगे श्रद्धालु

मुरैना. शाबाश इंडिया। समाधिस्थ जैन संत आचार्य श्री ज्ञान सागर की महाराज की प्रेरणा से स्थापित श्री ज्ञान तीर्थ मुरैना पर 22 अक्टूबर रविवार को परम पूज्य सराकोद्धारक षष्ठ पट्टाचार्यश्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से एवं परम पूज्य सप्तम पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञेयसागर जी महाराज,मुनिश्री 108 ज्ञातसागर जी महाराज, मुनिश्री 108 नियोगसागर जी महाराज,क्षुल्लक श्री 105 सहजसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में परंपरागत वार्षिक कलशाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियां भव्य स्तर पर जारी है इस आयोजन की दोपहर 02.00 बजे मंगलाचरण से शुरूआत होगी इसके बाद 03.00 बजे भक्तामर दीप अर्चना,शाम 04.00 बजे आचार्यश्री के प्रवचन एवं शाम 04.30 बजे विश्व शांति जन कल्याण के साथ-साथ आत्म कल्याण की भावना के लिए मौजूद विशाल जन समुदाय द्वारा बड़े बाबा श्री 1008 आदिनाथ भगवान का

मस्तकाभिषेक का किया जायेगा जिसमें समस्त धार्मिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य संजय शास्त्री सिहोनियां सहित अनीता दीदी, सविता दीदी, रेखा दीदी,मंजुला दीदी, सरिता दीदी, ललिता दीदी के मार्गदर्शन में पूर्ण होगी आयोजन में संगीतकार मनीष एंड पार्टी, मुरेना व्दारा धार्मिक भजनो का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा जानकारी रहे कि यह आयोजन ज्ञानज्ञेय वषायोग समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर की कार्यकारिणी सभा का आयोजन

जे.के.जे. डांडिया दीपोत्सव 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल में, उसकी तैयारियों के लिए हुई सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के बहुप्रतीक्षित जे.के.जे. डांडिया दीपोत्सव 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल सी स्कीम में होगा। उसकी तैयारी को लेकर कार्यकारिणी सभा का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन आवा और सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम जैन समाज का सबसे बड़ा कार्यक्रम है जिसकी प्रतिक्षा पूरे जैन समाज को वर्ष पर्यंत रहती है। सभा में सदस्यों द्वारा अभी तक की तैयारी की समीक्षा की गई । मुख्य संयोजक दीपेश छाबड़ा ने बताया कि इस अवसर पर एक किड्स फैशन शो भी आयोजित किया जाएगा। डांडिया में विजेताओं पर पुरस्कारों की बारिश भी होगी। इस अवसर पर सभी पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन, चंद्रशेखर जैन, रवि प्रकाश जैन, डॉ राजीव जैन सहित पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य तथा कार्यक्रम संयोजक उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक, जयपुर की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक,जयपुर की धार्मिक यात्रा संपन्न हुई। ग्रुप अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों के धार्मिक यात्रा में स्वस्तिक ग्रुप के 28 सदस्य दिनांक 7 अक्टूबर को रवाना हुए। अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल के अनुसार प्रयागराज में संगम और वाराणसी में तीर्थांकरो की जन्मभूमि में चरण और मंदिरों के दर्शन किए। क्रूज में बैठे 80 घाटों को देखते हुए गंगा नदी की मनोरम आरती देखी। घाट पर स्थित भगवान पार्श्वनाथ के चरण और मंदिर के दर्शन किए। वाराणसी में ही सुप्रसिद्ध काशी विश्वनाथ के मंदिर के दर्शन किए। पश्चात अयोध्या में 5 तीर्थांकरों की जन्मभूमि के चरण और मंदिरों को देखकर आनंद आ गया। यहां पर बड़े जैन मंदिर में विराजमान पूज्य ज्ञानमती माताजी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रामलला के मंदिर भी गए। श्रावस्ती में 1008 भगवान संभवनाथ जी की जन्मभूमि में चरण और अति भव्य मंदिर के दर्शन किए। नंदीश्वर द्वीप और पंचमेरू जी का मंदिर की भव्यता के क्या कहने। यहां पर ग्रुप के अध्यक्ष सतीश मधु बाकलीवाल ने प्रथम अभिषेक और शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। त्रिलोकपुरी में नेमीनाथ जी भगवान के मंदिर के दर्शन किए। लखनऊ में भी मन्दिर में महावीर भगवान के दर्शन कर अभिभूत हो गए। सभी जगह साथियों ने अभिषेक, पूजा और आरती करी और सभी मंदिरों में राशि भेंट करी। लखनऊ में इम्मामबाड़ा में भुलभुलैया, रेसीडेंसी और अंबेडकर पार्क देखा। इस तरह बहुत ही सौहार्दपूर्ण और सहयोग के साथ यह यात्रा 16 अक्टूबर को संपन्न हुई। इस यात्रा के संयोजक और संयुक्त मंत्री विनय छाबड़ा, उपाध्यक्ष अमर चंद पाटनी, कोषाध्यक्ष पवन ठोलिया, राजकुमार, रोहित, प्रदीप, अनिल राजेश सुज्योति प्रकाश, विनोद परिवार सहित और श्रीमति मधु बाकलीवाल सहित अन्य महिला साथियों ने टूर का भरपूर आनंद लिया।

श्री लक्ष्मीनारायण में गूंजी बालकांड व अयोध्या कांड की चैपाइयों के हुए पाठ

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवरात्रा के अवसर पर नेहरु नगर,पानी पेंच स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण में चल रहे 26 वें नव दिवसीय श्रीराम चरित्र नवान्ह पारायण पाठ महोत्सव के चैथे दिन बालकांड की 3 व अयोध्या कांड की 116 चैपाइयों के पाठ हुए। इस दौरान गूंज रही चैपाइयों व भजनों की स्वर लहरियों ने वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूबा नजर आया। मंडल के रामचरण पीतलिया ने बताया कि इस मौके पर व्यासपीठ से रामस्वरूप नाटाणी रामचरित्र मानस में बालकांड की 3 व अयोध्या कांड की 116 चैपाइयों के के पाठ किए। इस दौरान 251 आसनों से बालकांड की 3 व अयोध्या कांड की 116 चैपाइयों का मधुर पाठ करते रहे। इस मौके पर चैपाई के प्रसंगानुसार आकर्षक झांकी भी सजाई गई। नौ दिन तक पाठ रोजाना शाम 6 बजे से होंगे।

नॉर्दर्न रीजन द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में आज, स्पार्कल व जैन सोशल ग्रुप वीनसके बीच में क्रिकेट मैच, खेला गया जिसमें स्पार्कल ने पहले बैटिंग करते हुए 184 रन बनाए उसके जवाब में वीनस, 38 रन बनाए ऑल आउट हों गई स्पार्कल ने 146 रन से मैच जीत लिया मैन ऑफ द मैच मनीष गोधा रहे, जिन्होंने 96 रन बनाए वह एक विकेट् लिया विनोद छाबड़ा और विवेक जैन ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

जैन सोश्यल ग्रुप्स का जैन एकर्स-

जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट 08 अक्टूबर, 2023 से निरन्तर चल रहा है। क्रिकेट एडवाईजर उजास जैन एवं रीजन कोषाध्यक्ष मनोज जैन ने बताया कि आज लगभग सभी लीग मैच समाप्त हो जाएंगे। कल से टूर्नामेंट के क्वार्टर फाईनल, सेमी फाईनल और फाईनल होंगे। रीजन के सचिव सिद्धार्थ जैन ने बताया कि एरीना-2 में अंडर आर्म के रोमांचक मैच हो रहे है जिनमें एक आकर्षक मैच टीम स्कार्पियों ने 115 रन बनाए और यूनिवर्स बी टीम ने 116 रन बनाकर इस मैच को जीता और अमन बरडिया मैन ऑफ द मैच रहे। टूर्नामेंट को-होस्ट ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शैलेन्द्र शाह एवं पूर्व अध्यक्ष अक्षय जैन ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान रोजाना लक्की ड्रॉ द्वारा 09 गिफ्ट दी जाती है। पहला पुरस्कार परमा जैन सुपुत्री पवन जैन को मिला। रीजन के संयुक्त सचिव राजकुमार जैन ने बताया की एरीना -1 में टक्कर लेते टीम जेएसजी सनशाइन ए ने टीम जेएसजी अरहम को हराया जिसमें स्पर्श बरडिया मैन ऑफ द मैच रहे। रीजन के चैयरमैन महेन्द्र सिंघवी ने बताया कि ऑवर आर्म के मैचों में सेमी फाईनल और फाईनल के मैचों में ओवर की सीमा बढ़ाई जायेगी।